कौटिल्य एकेडमी

MAINS TEST PAPER - 4 / PAGE - 3

भाग – अ (Part - A)

प्रश्न 1. [illegible]

Question 1. This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 15 to 20 words. All questions are compulsory. Each question carries 03 (Three) Marks. 3x15=45

128

प्रश्न (1.1) Herd mind phenomenon (भीड़ मन परिघटना) पू./M - 03 प्राप्तांक

उत्तर :

प्रश्न (1.2) Nolan committee (नोलन कमेटी) पू./M - 03 प्राप्तांक

उत्तर : नोलन कमेटी का संबंध प्रशासनिक आचरण संहिता से है। इसने सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, वस्तुनिष्ठता, तटस्थता को जरूरी बताया।

प्रश्न (1.3) Psychological work of mentality (मनोवृत्ति का ज्ञानात्मक कार्य) पू./M - 03 प्राप्तांक

उत्तर : इसके अंतर्गत किसी निर्णय को प्रभावित किया जाता है। यह बतलाता है यदि हम कोई कार्य करते हैं तो उसके लाभ हानि क्या हो सकते हैं। उदाहरण चोरी करने के परिणाम क्या।

प्रश्न (1.4) four nobel truth (चार आर्य सत्य) पू./M - 03 प्राप्तांक

उत्तर : बौद्ध धर्म का दर्शन

दुःख | दुःख समुदाय | दुःख निरोध | दुःख निरोधगामी प्रतिपदा।

इसमें दुःख, दुःख के कारण, समाधान के बारे में बताया।

प्रश्न (1.5) Cleanliness means (शुचिता से आशय) पू./M - 03

उत्तर : ऐसा आचरण जो हर तरीके से दोषमुक्त हो एवं आदर्श प्रतिमानों के अनुरूप कार्य करना।

भाग — अ (Part -A)

प्रश्न 1 [illegible]

Question 1 This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 15 to 20 words. All question are compulsory. Each question carries 03 (Three) Marks. 3x15=45

प्रश्न (1.1) Hot hand phenomenon ([illegible])

उत्तर :

पू./M = 03 प्राप्तांक

प्रश्न (1.2) Nolan committee ([illegible])

उत्तर : नोलन कमेटी का संबंध प्रशासनिक आचरण संहिता से है। इसने मसलिया ईमानदारी, वस्तुनिष्ठता, तटस्थता को जरूरी बताया।

1995

पू./M = 03 प्राप्तांक ½

प्रश्न (1.3) Psychological work of mentality (मनोवृति का ज्ञानात्मक कार्य)

उत्तर : इसके अंतर्गत किसी निर्णयन को प्रभावित किया जाता हो वह बतलाता है यदि हम कोई भूल करते हैं तो उसके लाभ हानि क्या हो सकते हैं। उदाहरण चोरी करने के परिणाम क्या।

पू./M = 03 प्राप्तांक 2½

प्रश्न (1.4) four nobel truth (चार आर्य सत्य)

उत्तर : (i) बौद्ध धर्म का दर्शन

दुःख, दुःख समुदाय, दुःख निरोध, दुःख निरोधगामी प्रतिपदा।

इसमें दुःख, दुःख के कारण, समाधान के बारे में बताना।

पू./M = 03 प्राप्तांक 3

प्रश्न (1.5) Cleanliness means (शुचिता से आशय)

उत्तर : ऐसा आचरण जो हर तरीके से दोषमुक्त हो एवं आदर्श प्रतिमानों के अनुरूप कार्य करना।

पू./M = 03 प्राप्तांक 2

प्रश्न 1 इस प्रश्न में 15 अति-लघूत्तरीय उप प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 15 से 20 शब्दों में देना है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है।

Question 1 This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 15 to 20 words. All questions are compulsory. Each question carries 03 (Three) Marks.

प्रश्न (1.6) Compassion fatigue (करुणा की थकान) — पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : वह स्थिति जब लगातार करुणा की स्थिति बनी रहे तो एक ऐसी दशा जब करुणा की तीव्रता कम होने लगे।

प्रश्न (1.7) Ethical dilemma (नैतिक दुविधा) — पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : (1) वह स्थिति जब दो नैतिक सिद्धांतों में टकराव हो और निर्णय लेना कठिन हो जाए
(2) प्रकार- जोखिम संबंधी, विकल्प संबंधी से उत्पन्न
(3) उपाय- नैतिक तर्क/ बुद्धि परिपाटी का पालन, नियम का सहारा

प्रश्न (1.8) Political Dairy (पॉलिटिकल डायरी) — पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : किसी व्यक्ति/लोगों की राजनीतिक घटनाओं से संबंधित गतिविधियों का समुचित संग्रहण।

प्रश्न (1.9) Sympathy (सहानुभूति) — पू./M = 03 प्राप्तांक

उत्तर : यह ऐसी भावना है जो किसी व्यक्ति को कष्ट में देखकर करुणा उत्पन्न होती है परन्तु स्वयं अभिव्यक्ति नहीं होती। उसे सहानुभूति कहते हैं।

प्रश्न (1.10) The life devine (द लाइफ डिवाइन) — पू./M

उत्तर : (1) पुस्तक लाइफ डिवाइन लेखक- अरविन्द घोष
(2) विषय- दार्शनिक, आध्यात्मिक
(3) आध्यात्मिक राष्ट्रवाद को समाहित किया।

कौटिल्य एकेडमी

MAINS TEST PAPER - 4 / PAGE - 5

भाग — क (Part - A)

Question 1. This question contains 15 very short type subquestions. Answer each question in maximum 15 to 20 words. All questions are compulsory. Each question carries 03 (Three) Marks. 5x15=15

प्रश्न (1.11) Importance of tolerance in public servants (लोकसेवक में सहिष्णुता का महत्व)

उत्तर : (i) निविरोध प्रशासन हेतु।
(ii) सभी वर्गों के कल्याण हेतु।
(iii) इलाहि भी गुण है।
(iv) सुशासन हेतु।

पू./M - 03 प्राप्तांक 3

प्रश्न (1.12) Honesty (ईमानदारी)

उत्तर : ईमानदारी गुण को किसी कर्म को उसके कार्यों को लेकर सम्पादित करना है। एवं पूर्ण समर्पण से सौंपे दायित्व को पूर्ण करना है। यह सुशासन का प्रमुख मूल्य है।

पू./M - 03 प्राप्तांक 2

प्रश्न (1.13) Objectivity (वस्तुनिष्ठता)

उत्तर : (i) निर्णय लेते समय व्यक्तिगत चेतना के आधार (व्यक्तिगत रूचि, दृष्टिकोण) से स्वतंत्र रह कर तथ्यों के आधार पर ही निर्णय लेना।
(ii) यह मनोनुकूल प्रशासन हेतु आवश्यकता है।

पू./M - 03 प्राप्तांक 3

प्रश्न (1.14) Inability (असमर्थता)

उत्तर : (i) किसी राजनीतिक दल या विचारधारा को समर्थित न करना।
(ii) भ्रष्टाचार प्रशासन राजनीति गठजोड़ रोकना।
(iii) लोक कल्याण, स्वतंत्र प्रशासन

पू./M - 03 प्राप्तांक 2

प्रश्न (1.15) International Transparency Commission (अंतर्राष्ट्रीय पारदर्शिता आयोग)

उत्तर : स्थापना - 1993 बर्लिन
कार्य - देशों में भ्रष्टाचार की स्थिति का मापन एवं उपाय
रैंक - जनता में ओपनिंग लगा।

पू./M - 03 प्राप्तांक 2

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न (2.2) Mention the reasons for corruption?

भ्रष्टाचार के कारणों का उल्लेख करें ?

उत्तर :- भ्रष्टाचार के कारण

व्यक्ति द्वारा, पद का दुरुपयोग निजी लाभ हेतु करना भ्रष्टाचार है।

इसके कारण निम्न हैं

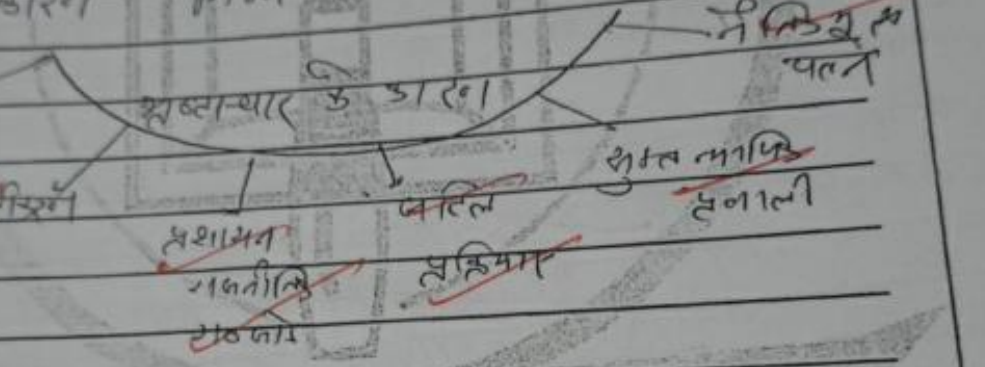

नैतिक मूल्य का पतन

भ्रष्टाचार का प्रमुख कारण है व्यक्तियों में नैतिकता का पतन होना। नैतिकता के अभाव में ही व्यक्ति भ्रष्टाचार जैसे अनैतिक व्यापारों को अपनाता है।

प्रश्न (2.2) Continued (जारी)

सामाजिक कारण

(i) समाज में व्याप्त ऐश्वर्य प्रचार को धन संग्रह को महत्व देती है जैसे दहेज।

(ii) धन की व्यक्तिता का पर्याय बनाना

(iii) टाल व्यक्ति हेतु ऊँची प्रतिस्पर्धा।

केन्द्रीकरण

केन्द्रीकरण के परिणाम स्वरूप उत्पन्न कुप्रबंधन भी भ्रष्टाचार की जड़ है।

प्रशासन- राजनीति गठजोड़

पारस्परिक गठजोड़ एक दूसरे के गलत कार्यों पर पर्दा डाल कर प्रश्रय देते हैं।

जटिल एवं दुरूह न्यायिक प्रक्रिया

इस कारण से भ्रष्टाचार दोषी दण्ड से बच जाते हैं तथा देरी से सुनवाई होती है। ऐसा में उनका हौसला बढ़ जाता है।

4½

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंकों का है।

Question 2 Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न (2.3) Factors of Attitude Change?
मनोवृत्ति परिवर्तन के कारक ?

उत्तर : किसी व्यक्ति या वस्तु के प्रति हमारे सकारात्मक या नकारात्मक दृष्टिकोण।
थर्स्टन के अनुसार -
किसी मनोवैज्ञानिक विषय के पक्ष में या विपक्ष में सकारात्मक नकारात्मक विचारों की तीव्रता मनोवृत्ति है

साहचर्य

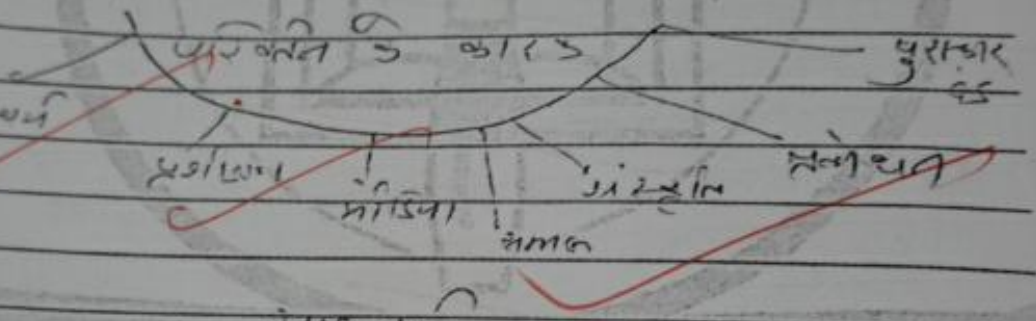

व्यक्ति जैसी संगति प्राप्त करता है वैसी ही मनोवृत्ति निर्मित करता है। जैसे अपराधिक संगति वाला बालक आगे अपराधिक मनोवृत्ति ही बना लेता है

प्रशिक्षण / अभ्यास

बार-बार प्रशिक्षण से भी मनोवृत्ति परिवर्तित हो जाती है। उदाहरण सेना में नवयुवकों की मनोवृत्ति में प्रशिक्षण द्वारा परिवर्तन होता है।

प्रबोधन

प्रबोधन द्वारा भी व्यक्ति की मनोवृत्ति में वांछित परिवर्तन होता है

मीडिया

मीडिया से प्राप्त अनुभव व्यक्ति की मनोवृत्ति के परिवर्तन प्रेरित करते हैं

समाज एवं संस्कृति

जैसा समाज होता है उसी की परम्परा अनुरूप ही मनोवृत्ति का विकास होता है उदाहरण यदि समाज में कोई रूढ़ि प्रचलित तो उसके प्रति सकारात्मक मनोवृत्ति बन जाती है।

पुरस्कार- दंड

पुरस्कार मनोवृत्ति में सकारात्मक एवं दंड नकारात्मक परिवर्तन करती है

4

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंकों का है।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न (2.4) Swami Vivekananda was a nationalist thinker. Explain

स्वामी विवेकानंद एक राष्ट्रवादी विचारक थे, स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर :- स्वामी विवेकानंद भारत के महान व्यक्ति थे उन्हें भारत की सभ्यता को पुनः पहचान दिलाने का श्रेय प्राप्त है। उनके अद्भुत कार्यों के क्षेत्र में राष्ट्रवाद का योगदान दिया है जिनका वर्णन निम्न है

(i) भारतियों को प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं उनकी गौरवपूर्ण उपलब्धियों से परिचित कराकर उनमें आत्मबल की वृद्धि करते हुए हीनता की भावना दूर करना।

(ii) भारतीय संस्कृति को प्रेम करने हेतु प्रोत्साहित किया साथ ही विदेश में उसका डंका पीट दिया।

(iii) जाति, अस्पृश्यता को भुला कर एकता का मार्ग दिखाया ताकि राष्ट्रवाद मजबूत हो।

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks. 6x10=60

प्रश्न (2.4) Continued (जारी)

(ग) जननी और जन्मभूमि को स्वर्ग से बढ़कर बताया। उनको मातृभूमि के प्रति प्रेम अगाध रूप से था।

(घ) राष्ट्र के लोगों की सेवा के पश्चात् ही रामकृष्ण मिशन की स्थापना कराई।

(ङ) राष्ट्रवाद हेतु 2 लक्ष्य निर्धारित किया पहला सबको समान अवसर दूसरा स्वतंत्रता।

(च) परतंत्रता को मानव विकास का सबसे बड़ा शत्रु घोषित किया।

मूल्यांकन- विवेकानंद न केवल संत दार्शनिक थे बल्कि उनमें राष्ट्र के प्रति प्रेम कूट-कूट कर सन्निहित था। उनके कार्यों में राष्ट्र के प्रति प्रेम का सहज ही दर्शन होता है।

4

Question 2. Write the answers of any 15 of the ...

प्रश्न (2.5) Basic qualifications for public servant ?
लोकसेवक के लिए आधारभूत योग्यता ?

उत्तर : लोक सेवक वह होता है जिसमे निष्पक्षता
दायित्वों ... होती है और वह अपनी
उन आदर्शों का उपयोग जनकल्याण में करता है
कुछ आदर्श सद्भावना, समाधान हेतु लोक सेवक
में आधारभूत योग्यताएं निम्न है

ईमानदारी

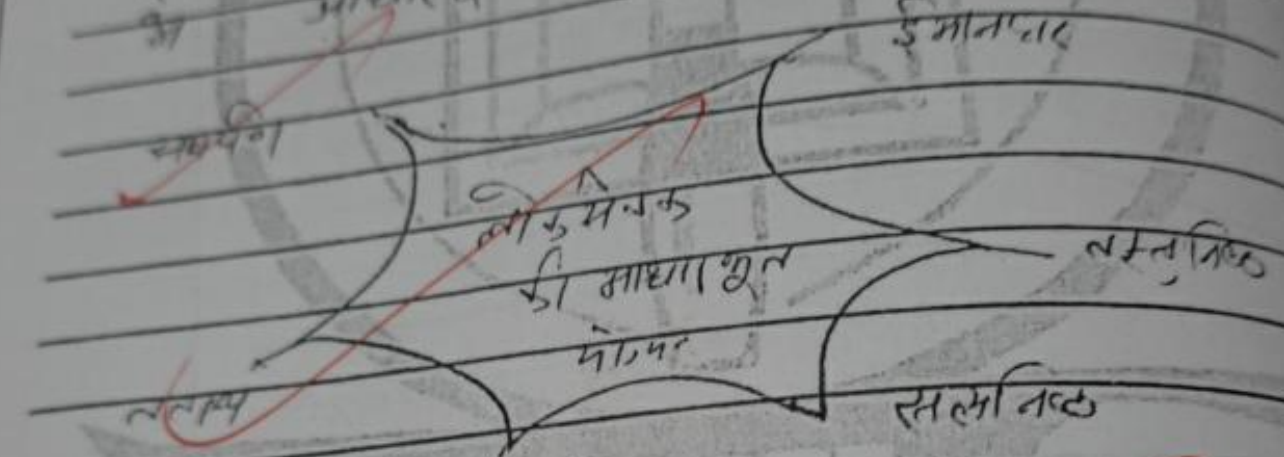

लोक सेवक को ईमानदार होना चाहिए
उसके कार्यों एवं निर्णयों में पारदर्शिता
होनी चाहिए। ताकि जनता का विश्वास
प्रशासन पर बना रहे।

Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

6x10=60

Q./M - 06

प्राप्तांक

(i) वस्तुनिष्ठता

निर्णय करते समय व्यक्तिगत भावना के आधारों से मुक्त रहें। अर्थात किसी लालच में कार्य न हो।

(ii) सत्यनिष्ठा

प्रशासक के विचारों एवं आचरण में अंतर न हो कि जो बोलें वही करें।

(iii) संवेदनशीलता

उनमें संवेदना का होना जरूरी ताकि आमजनों में लोगों की भावना समझे व निर्णय लें। तथा समस्या निवारण के उपाय करें।

(iv) तटस्थता

उन्हें जाति, धर्म, राजनीति से तटस्थ रहना होगा। अन्यथा पक्षपात व प्रक्रिया की दुविधा उत्पन्न होगी।

(v) समर्पण

अपने कार्य एवं संस्था के लक्ष्यों के प्रति उच्च तीव्रता वाली प्रतिबद्धता। समर्पण ही उन्हें सच्चा लोकसेवक बनाता है ऐसा कि लोकसेवा नौकरी का पद नहीं है।

4

प्रश्न (2.6) Role of family and society in controlling corruption?
भ्रष्टाचार नियंत्रण में परिवार व समाज की भूमिका ?

उत्तर : भ्रष्टाचार से तात्पर्य है अपनी शक्ति सत्ता एवं पद का दुरुपयोग निजी हित में करना

यह एक नैतिक बुराई है जो सार्वभौमिक रूप से प्रत्येक तंत्र में विद्यमान है।

इसके नियंत्रण में परिवार की भूमिका निम्नलिखित है—

क्योंकि व्यक्ति परिवार में जन्म लेता है तथा उसके चरित्र रूपी वृक्ष का निर्माण परिवार की छाया में ही होता है अतः परिवार का यह दायित्व है कि उसे सही लालन से सींचे अर्थात नैतिक संस्कार दें।

→ बच्चों को कम खर्च की आदत डलवाएं।
→ उन्हें ईमानदारी पर प्रोत्साहित करो
→ स्वयं नैतिकता का पालन करें ताकि बच्चे भी अनुसरण करें।
→ भ्रष्टाचार से अर्जित संपत्ति का उपयोग

करने को मना कर दें।

समाज की भूमिका

समाज द्वारा भ्रष्टाचार का खात्मा संभव है क्योंकि कहीं भ्रष्टाचार सामाजिक बुराई है तथा इसका पतन सामाजिक मूल्यों के पतन से हुआ है यही व्यक्ति समाज का अंग है

उपाय

(1) किसी सामाजिक प्रथाओं का त्याग जो धन के संचय व दुरुपयोग को बढ़ावा देती हैं।

(2) धन की लालसा का विषय न बनते हैं न ही उस लालसा की प्रतिस्पर्धा हो

(3) भ्रष्टाचार में लिप्त व्यक्ति की नैतिकता हो तथा संभव हो तो सामाजिक बहिष्कार किया जाए।

(4) आस-पास चल रहे सांस्कृतिक कार्यों की भी सामाजिक लेखा परीक्षा स्थानीय लोगों द्वारा हो।

4½

प्रश्न (2.7) Absolute neutrality" in public service is a hypothesis, Explain

लोक सेवा में पूर्ण तटस्थता एक परिकल्पना है, स्पष्ट करें।

उत्तर : तटस्थता से तात्पर्य है किसी भी तरह के वर्ग/समूह, विचारधारा से स्वयं को पृथक रखना।

तटस्थता —
- धर्म
- जाति से
- राजनीति

~~विभिन्न परिस्थिति~~ में

प्रशासन में तटस्थता एक अनिवार्य तत्व माना गया है। अगर कोई लोकसेवक किसी धर्म, जाति, समूह, राजनीतिक विचारधारा का होकर समर्पित करेगा तो निश्चित ही यह संभव है कि अन्य पक्षों के साथ पक्षपात करेगा।

हालांकि तटस्थता बाह्य रूप में ही ज्यादा परिलक्षित होती है क्योंकि पद पर आसीन वह व्यक्ति भी मानव होता है और वह भी मानवीय सीमाओं से युक्त होता है। वह व्यक्ति भी धर्म जाति से

प्रश्न (Q.) Continued (जारी)

उसी समाज के मार्ग में बड़ा होता है
जिसमें त्याग ... होते हैं।

ऐसे में मानसिक रूप से कोई लोकसेवक
पूर्णतः तटस्थ हो ऐसा संभव नहीं है
बाह्य अभिव्यक्ति कैसी होगी यह उस पर
[illegible] करता है।

किन्तु मानसिक तटस्थता से थोड़ा कठिन
है हमारी अभिव्यक्ति को असंभव नहीं
है। अपने संवेगों पर बुद्धियुक्त
नियंत्रण रखते हुए कोई भी लोकसेवक
बाह्य रूप से तटस्थ बना रह सकता है।

इसके अलावा निरंतर अभ्यास भी लोकसेवक
को मानसिक व बाह्य रूप से तटस्थ
बना देता है।

निष्कर्षतः पूर्णतः तटस्थता [illegible]
अतएव है किन्तु असंभव नहीं
यह निरंतर अभ्यास व आचरण
संहिता को ध्यान में रखते हुए पालन
किया जा सकता है।

4

प्रश्न 2 — Write the answers of any 15 of the following questions.

प्रश्न (2.6) What is Aptitude ? explain the benefits of Aptitude.
अभिक्षमता किसे कहते हैं? विशेषताओं के लाभ स्पष्ट करें।

उत्तर :

अभिक्षमता

अभिक्षमता किसी व्यक्ति मे निहित विशिष्ट योग्यताओं का वह संयोजन है जो यह इंगित करता कि यदि उस विषय मे व्यक्ति को पर्याप्त प्रशिक्षण एवं अनुकूल माहौल मिले तो क्षेत्र विशेष मे उसके सफल होने की संभावना ज्यादा होगी।

अभिक्षमता व्यक्ति को किसी विशिष्ट कार्य मे पारंगत बना देती है।

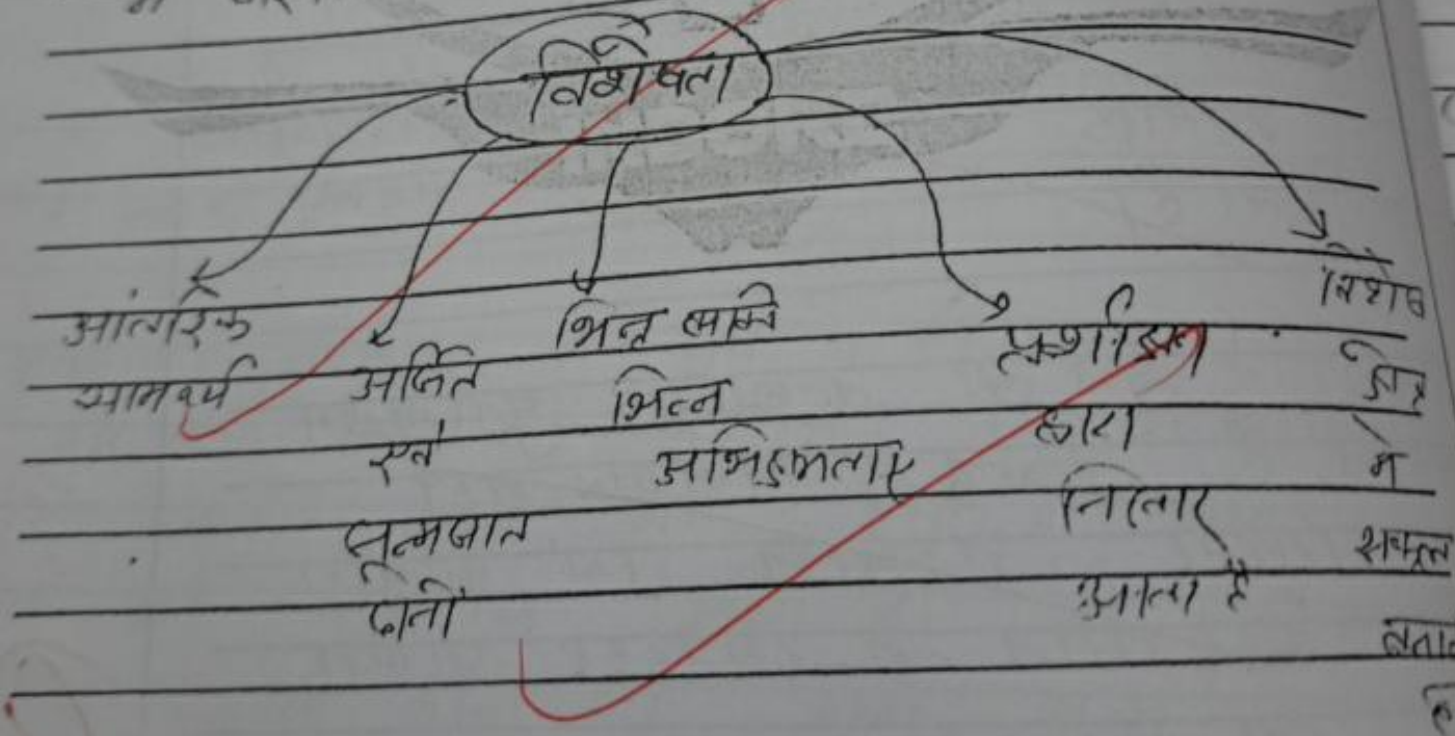

अभिक्षमता के लाभ

(1) अभिक्षमता व्यक्ति को इच्छित कार्य में निर्णय लेने लायक बनाती है।

(2) संसाधनों का अनुकूलतम दोहन करना।

(3) सीमित समय में कार्य सम्पन्न।

(4) भावनात्मक अभिक्षमता लोगों से संवाद आसान बना देती है।

(5) नैतिक संबंधी अभिक्षमता, मान्यताओं से बेहतर कार्य लेती है तथा इन्हें प्रेरित करती है।

(6) सामाजिक अभिक्षमता समाज की समस्या को बेहतर तरीके से समझती है तथा उसकी समस्याओं का तीव्रता से निवारण करती है।

(7) तकनीकि अभिक्षमता वर्तमान में डिजिटलीकरण हेतु उपयुक्त मानी जाती है।

4

प्रश्न (7.a) Define prejudice and discrimination and ...
पूर्वाग्रह व विभेद को परिभाषित करें तथा कम शब्दों में ...

उत्तर :

पूर्वाग्रह

किसी व्यक्ति वस्तु या स्थान के प्रति बिना किसी तर्क के धारणा का निर्माण कर लेना।

पूर्वाग्रह एक स्थायी नकारात्मक मानसिक दशा है जो जन्मजात नहीं होती बल्कि अर्जित होती है इसकी कोई न कोई पृष्ठभूमि अवश्य होती है

उदाहरण के लिए यदि किसी का परिवार साम्प्रदायिक दंगों में मारा गया हो तो हो सकता है कि उस व्यक्ति का विशेष समुदाय के प्रति पूर्वाग्रह निर्मित हो।

विभेद

पूर्वाग्रह का मूर्त रूप ही विभेद होता है। वह अपने पूर्वाग्रह के अनुसार विशिष्ट लोग, समुदाय, जाति, धर्म के आधार पर भेदभाव करता है

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 5 (five) marks.

प्रश्न (2.8) Continued (जारी)

इन्हें कम करने के उपाय

(i) प्रबोधन

पूर्वाग्रह से ग्रस्त व्यक्तियों का सफल प्रबोधन करके उनमें पूर्वाग्रह का समापन करना

ऐसे बिन्दु नहीं बनाएं

(ii) अभ्यास

जिस विषय हेतु पूर्वाग्रह उसी कार्य को बार-बार करना।

(iii) बुनियादी एवं औपचारिक शिक्षा

ताकि सहिष्णुता एवं समभाव का विकास हो संकीर्णता न पनपने पाए

(iv) एक साझा मंच

प्रत्येक जाति वर्ग धर्म के लोगों को परस्पर विचार आदान-प्रदान करने हेतु।

(v) सभ्य समाज

ऐसे समाज का निर्माण जो समानता को महत्व दे न कि भेदभाव को

4.0

Question 2. Write the answers of any 15 of the following

प्रश्न (2.12) What is emotional intelligence? explain its importance.

सांवेगिक बुद्धि किसे कहते हैं? इसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

उत्तर :

सांवेगिक बुद्धि

स्वयं एवं दूसरो के संवेगों को समझना उन पर बुद्धि पूर्ण प्रतिबंध लगाना तथा अभिव्यक्त करना सांवेगिक बुद्धि के कारण ही।

सांवेगिक बुद्धि के तत्व

- संवेगात्मक आत्मजागरूकता — स्वयं के संवेगों की पहचान करना
- आत्मनियमन — अपने संवेगों पर नियंत्रण
- समानुभूति — समान रूप से पीड़ा महसूस करना
- आत्म प्रेरणा — विपरीत परिस्थिति मे अभिप्रेरित रहना।

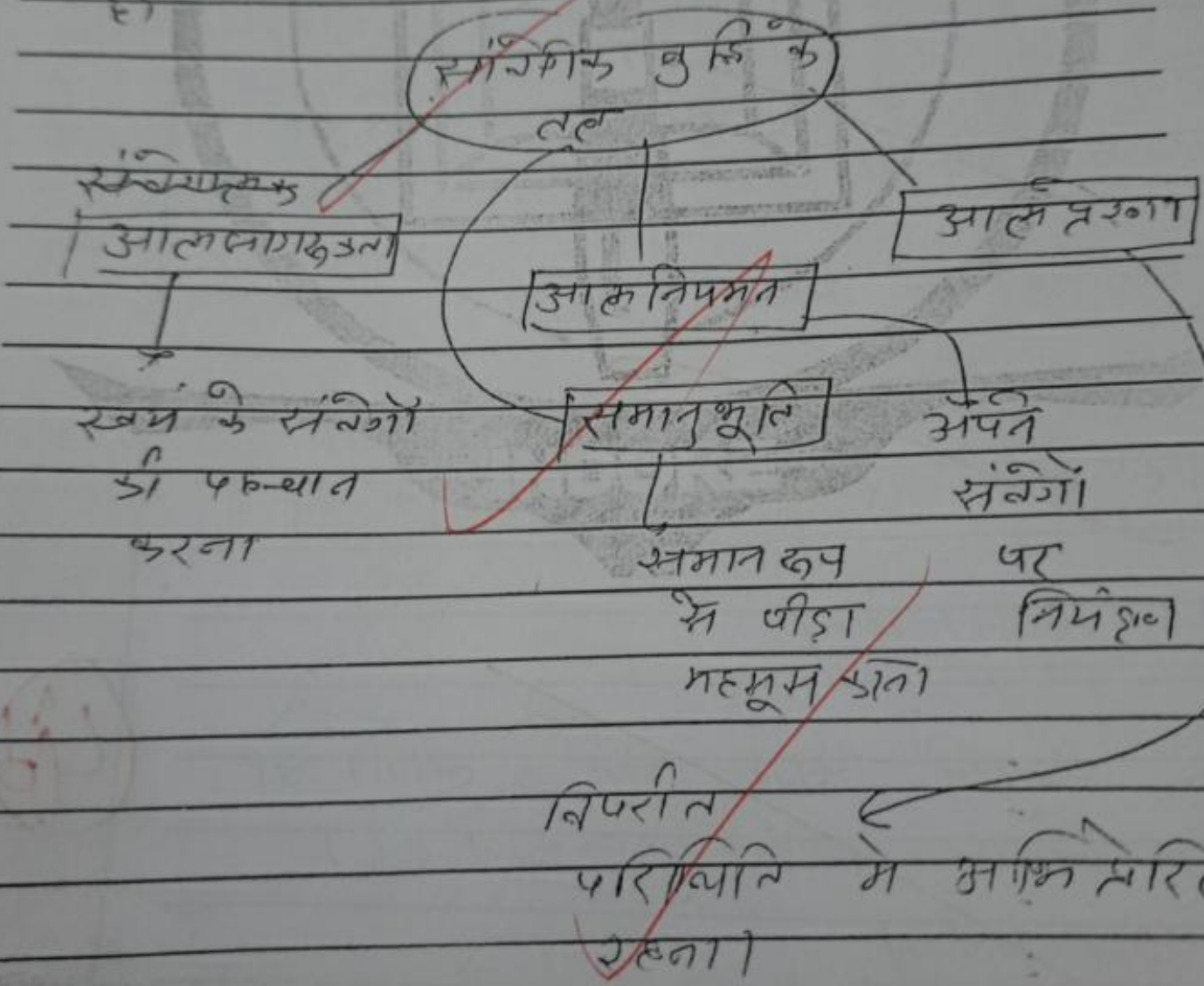

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 6 (छः) अंकों का है।
Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 6 (Six) marks

प्रश्न (2.12) Continued (जारी)

सांवेगिक बुद्धि का महत्व

(i) स्वयं के संवेगों की पहचानना जरूरी है क्योंकि संवेग पर नियंत्रण प्रशासकों हेतु अत्यन्त जरूरी है क्या कि दैनिक द्वन्द, विवाद, तनाव की स्थिति को शांत निपटने में सक्षम बनाती है

(ii) दूसरों के संवेगों की पहचान एवं सहानुभूति प्रशासन की संवेदनशीलता हेतु जरूरी है यदि कोई उग्र है तो उसके संवेग पहचाने और उसमें नियंत्रण पाने की कोशिश करने में सहायक।

(iii) दैनिक स्थिति जब थकाऊ और बोझिल हो साथ ही निरंतर विपरीत परिस्थितियां बने तब आत्मप्रेरणा ही प्रशासकों को विचलित होने से रोकती है

(iv) आत्मनियमन द्वारा ही हम निष्पक्ष, तटस्थ, ईमानदार, वस्तुनिष्ठ बने रहते है

4

प्रश्न (2.13) Manifesto against corruption ...
भ्रष्टाचार के विरुद्ध U.N.O. घोषणा पत्र ?

उत्तर :-

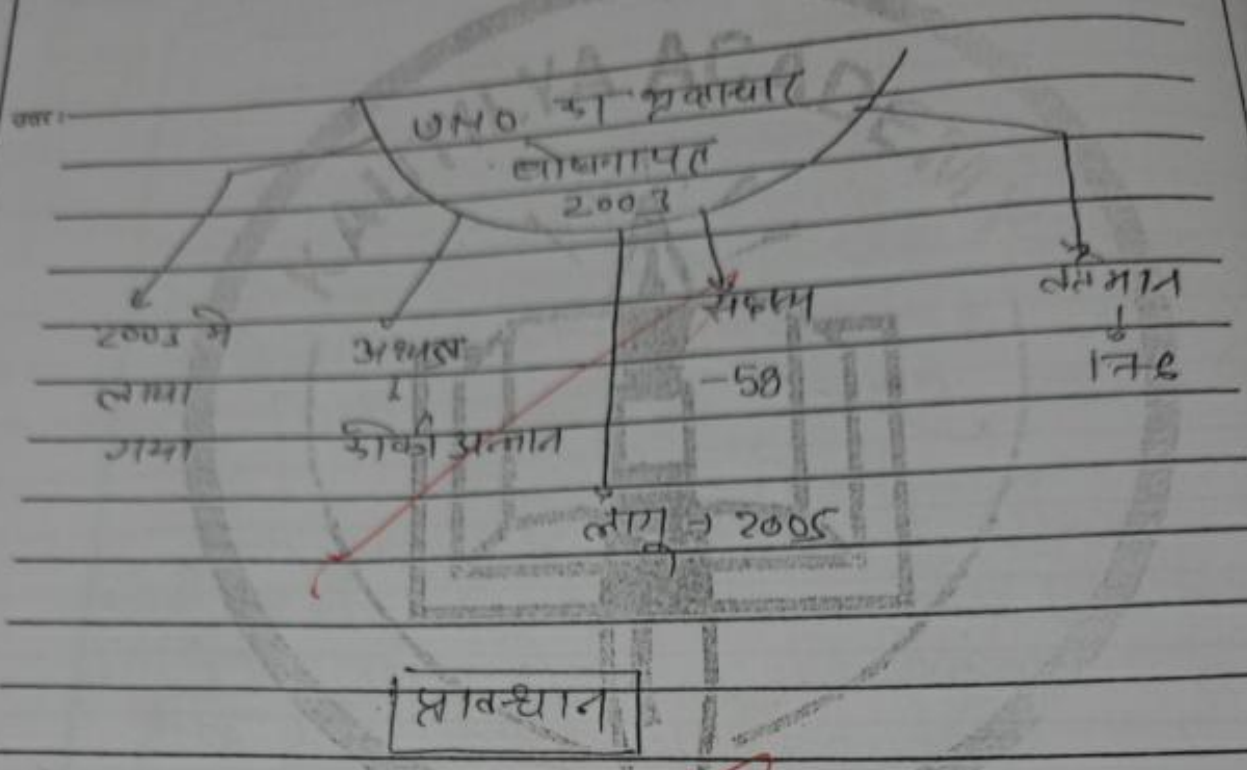

UNO का भ्रष्टाचार
घोषणापत्र
2003

2003 में लाया गया

अध्याय
8
डीकी अन्तात

सदस्य
-58

वर्तमान
176

लागू - 2005

प्रावधान

इस घोषणा पत्र का उद्देश्य भ्रष्टाचार को वैश्विक मुद्दा बना कर समाप्ति करने हेतु देशों के मध्य सहयोग एवं तकनीकि का आदान प्रदान करना था।

इसके प्रावधान निम्न है-

धारा-6 भ्रष्टाचार निवारण हेतु सभी देश नियम कानूनों का निर्माण करें।

धारा-7 कर्मचारियों के वेतन बढ़ाए जाएं ताकि उनकी लालच पूरी हो और भ्रष्टाचार पर लगाम लगे।

धारा-63 → देश परस्पर सूचनाओं का आदान प्रदान करें।
→ तकनीकी सहयोग करें।
→ दोषियों के प्रत्यर्पण में सहायता करें

→ संस्थागत ढांचा निर्माण

भ्रष्टाचार रोधी संस्थाओं की स्थापना प्रत्येक देश करें

→ चुनावी चन्दे

प्रत्येक देश चुनावी चन्दों को पारदर्शी बनाएं

→ अंतर्राष्ट्रीय संधि समझौते पारदर्शी हों

→ सरकारी कामकाज की सूचनाएं सार्वजनिक हों

→ NGO एवं संस्थाओं के माध्यम से जागरूकता का प्रयास

→ समन्वित वैश्विक प्रयास हो

4

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम ...

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maxim...

प्रश्न (2.14) Measures to develop moral values in public servants ?
लोक सेवकों में नैतिक मूल्यों को विकसित करने के उपाय ?

उत्तर :- लोक सेवा का उद्देश्य है जनता हेतु तत्पर निष्पक्ष पूर्ण, आदर्श सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना। इस हेतु लोक सेवकों में नैतिक मूल्यों का विकास जरूरी है। अन्यथा शक्ति दुरुपयोग की प्रबल संभावना हो सकती है।

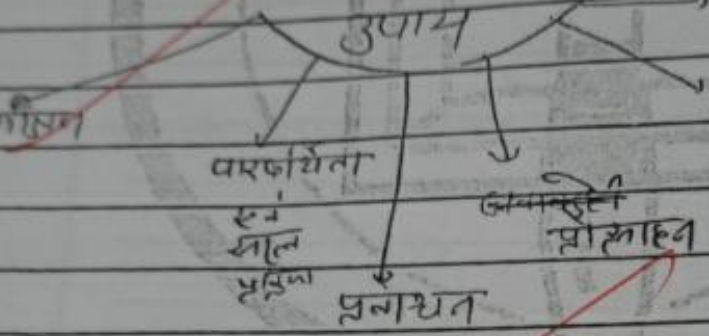

(1) प्रशिक्षण।

नव प्रशिक्षुओं को पूर्वकालिक प्रशिक्षण दौरान नैतिक मूल्यों की शिक्षा देना। इसके प्रभाव एवं परिणामों के बारे में इन्हें जागरूक बनाना।

प्रशोधन

यह हो सकता है नवागत सिविल सेवक किसी न किसी दुर्भावना और हानि का कारण बने हुए हो ऐसा उनका प्रशोधन करना जरूरी होता है।

प्रक्रियाए सरल एवं पारदर्शी

ऐसे नियम व कानून हो जो सरल हो तथा पारदर्शी हो ताकि अनैतिक प्रथाओ का अनुसरण न कर पाए।

प्रोत्साहन - दंड

ऐसे लोक सेवको को प्रोत्साहित करना जो उत्तम कार्य करे। साथ ही अनैतिक कार्य करने वालो को दण्ड देना, इससे नैतिक मूल्य स्वमेव विकसित

आचरण संहिता

लोक सेवको को बाध्यकारी रूप से इसका पालन करना चाहिए ऐसा न करने पर त्वरित कार्यवाही हो।

4

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम ...

Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum ...

प्रश्न (2.15) 'Tagore was not only a poet but a humanist thinker' clarify the humanist ideology in this statement. 'टैगोर एक कवि ही नहीं अपितु एक मानवतावादी चिन्तक थे' इस कथन में मानवतावादी विचारधारा को स्पष्ट करें ?

उत्तर : रविन्द्रनाथ टैगोर विश्व के महान कवियों एवं साहित्यकारों में अग्रगण्य हैं। इनका परिचय इनके व्यक्तित्व को कभी भी पूर्ण नहीं कर सकता।

गुरुजी ने अपने चिंतन में हमेशा मानव एवं मानव हित समस्याओं को महत्व दिया। इनके मानवतावादी विचारों का वर्णन संक्षेप में निम्नवत् है

(i) विश्व के सभी मानव समान हैं उनमे भेद नहीं है।

(ii) लोगों के मध्य अंहकार, जाति, धर्म प्रजाति (नस्ल) के आधार पर संघर्ष नहीं होना चाहिए।

(iii) मानवाधिकार व्यक्ति को जन्म से प्राप्त होते हैं। इस हेतु मान्यता करना उचित नहीं है।

(ग) इसलिए जीवन सभी व्यक्तित्व का विकास होना चाहिए।

(घ) विश्व के सभी धर्मों को मिलाकर एक ऐसा नवीन धर्म, समाधान की तरह। इसीलिए दीन-ए-इलाही की स्थापना की।

(ङ) ये मानते थे कि लोग ही अपने निजी मूल्यों को शून्य मानते थे यही कारण था कि जब कालाबाजारी लागू हुआ इन्होंने अपनी समस्त उपाधि लौटा दी।

(च) उनके विचार में प्रत्येक व्यक्ति को अपने ज्ञान का उपयोग, योग्यता का उपयोग दूसरे व्यक्ति तथा मानवीय कामों के उद्धार में होना चाहिए इसीलिए इन्होंने मिशनरियों की स्थापना की।

(छ) परतंत्रता मानव विकास का परम शत्रु है। मानव विकास हेतु स्वतंत्रता जरूरी है।

5

प्रश्न (2.16) Analyze the main provisions of the code of conduct for civil servants.
लोक सेवकों की आचार संहिता के मुख्य प्रावधानों का विश्लेषण करें?

उत्तर : (सिविल सेवक आचरण संहिता)

ऐसे लिखित दस्तावेज़ जो यह निर्देशित करते हैं कि प्रशासनिक अधिकारियों को नैतिक रूप से क्या करना है और क्या नहीं करना है, के संबंध में बाध्यकारी होते हैं

अखिल भारतीय सेवा हेतु - 1954 एवं मध्यप्रदेश में 1965 में इसे निर्मित किया। इसके प्रमुख प्रावधान निम्न हैं।

(1) आर्थिक प्रबंध

(a) आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत करना।
(b) 1000 से ज्यादा मँहगा उपहार की सूचना विभाग को दें।
(c) 20 हजार से मँहगी खरीदी करने पर विभाग को सूचित करें।
(d) गैर लिखित संबंधी धनार्जन न करें।
(e) पारितोष न लें।

प्रशासनिक

(i) राजनीति करने से तटस्थ रहें।
(ii) राजनीतिक प्रचार, प्रसार, अंश भोगना यह अनुचित होगा।
(iii) तटस्थ रहें निष्पक्ष रहें।
(iv) कर्तव्यों की उपेक्षा न करें।
(v) उत्तरदायित्व से स्वयं लापरवाह रहें।
(vi) कार्य पूर्णतः पारदर्शी हो।
(vii) शासन के धन का दुरुपयोग न करें
(viii) शासन के निर्देशों का पालन करें

सामाजिक

(i) दहेज, बालविवाह का समर्थन न करें।
(ii) अस्पृश्यता का समर्थन न करें
(iii) जातिवाद से दूर रहें।

नैतिक धार्मिक

(i) अपराध से दूर रहें।
(ii) अपराधी को संरक्षण न दें।

8

प्रश्न (2.12) The field of Public Administration is a field of business. Comment
लोक प्रशासन का क्षेत्र व्यापार का क्षेत्र है। टिप्पणी करें?

उत्तर : लोक प्रशासन से तात्पर्य है ऐसा प्रशासन जो नागरिकों के लाभ के लिए

व्यापार क्षेत्र की भाँति ही समान लाभ हेतु इस संदर्भ में न होकर लोक कल्याणकारी निर्णय लेता है। किंतु वह लाभ के लिए कार्य नहीं करता।

लोक प्रशासन
समर्पितता | निष्काम निर्णय
जवाबदेहिता

यह वह माध्यम है जो शासन की सेवा एवं वस्तुओं को जनता तक पहुँचाता है लोगों को मान देता है किंतु यह निजी क्षेत्र की तरह लाभ हेतु कार्य नहीं करता।

लोक प्रशासन का उद्देश्य सिर्फ जनता के हित में होता है।

Continued (जारी)

यह व्यवसाय प्रकृति निष्पक्ष, सहायक, पारदर्शी होता है और इसका प्रयास रहता है कि शासन की सेवाओं का लाभ प्रत्येक जन उठा पाए।

हालांकि लाभ हेतु भ्रष्टाचार, लालफीताशाही और व्यापारी संस्थाओं की तरह मोलतोल करने वाली संस्था में बदलती है। परन्तु इनके निदान हेतु पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु ई-गवर्नेंस, RTI, लोकपाल का निर्माण किया जा चुका है।

निष्कर्षतः लोकप्रशासन का निजी व्यापार का विस्तार है यह सत्य है किन्तु यहाँ प्रशासन स्वयं के बजाय सार्वजनिक हित को ध्यान में रखकर व्यापार करती है।

4

0731-4226615, 4266821 Mob. 98939 29541, 94250

प्रश्न 2 ... (any 15) ... 150 शब्दों में ...
Question 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words ...

प्रश्न (2.18) What is Pratitya-samutpada in Buddhist thought?
बौद्ध चिन्तन में प्रतीत्य-समुत्पाद क्या है?

उत्तर : प्रतीत्य समुत्पाद

प्रतीत्य समुत्पाद बौद्ध धर्म का एक केन्द्रीय सिद्धान्त है। इसे कार्यकारण सिद्धान्त भी कहा जाता है। कुल-12 कार्य-कारणों की व्याख्या गौतम बुद्ध ने उपदेशों की व्याख्या करने दौरान की।

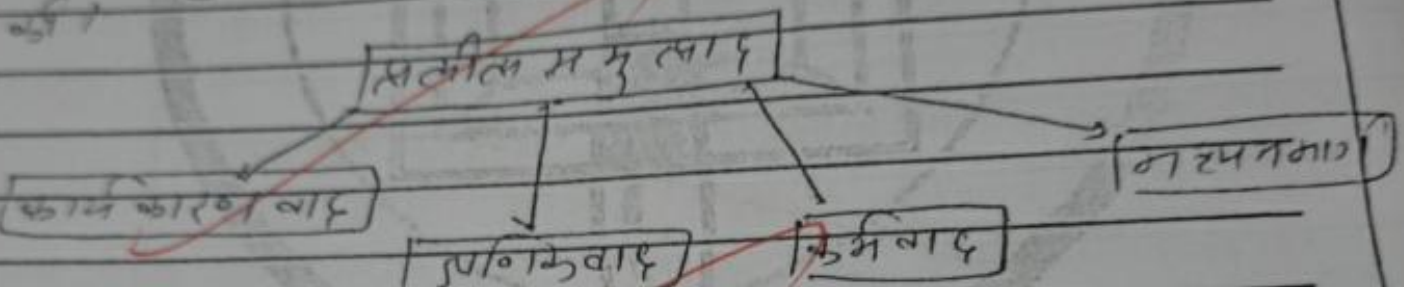

कार्यकारणवाद

प्रत्येक वस्तु किसी न किसी कारण से उत्पन्न हुई है। कारण से स्वतंत्र वस्तु का अस्तित्व नहीं है। वास्तव में कार्य अनेक कारणों का सहकारी परिणाम है।

उदाहरण- दीपक = तेल + बाती + ईंधन

कार्य — कारण

(b) Continued (जारी)

क्षणिकवाद

प्रत्येक वस्तु क्षणिक है
उसका कारण नियमित है लेकिन
पर वस्तु स्वयं में समाप्त हो जाती है। कारण समाप्त होने

कर्मवाद

भूतकाल के कर्मों का परिणाम वर्तमान जीवन
है तथा वर्तमान के कर्मों का परिणाम
भविष्य का जीवन है। कर्म ही मुख्य है।

मध्यम मार्ग

हमेशा मध्यम मार्ग का पालन करना
चाहिए जो दो अतियों का मध्य
रास्ता है

जैसे आध्यात्म ~~संन्यास~~ गृहस्थ और
उच्छेदवाद (शाश्वतवाद) के मध्य

स्वास्थ्य अल्पभोजन अतिभोजन के बीच।

काम वैराग्य व अतिभोग के मध्य

9

नोट – प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) [illegible] प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= [illegible]

Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. The division of marks on questions respectively question no. [illegible]

प्रश्न (3.1) You are SDM, your childhood friend Ramesh's sister is going to get married, you have been invited to the wedding, when you reach there, you come to know that the girl is under 18 and you get to know this the day before the wedding and it is a recognized practice in that society. **In that society, marriage is judged with respect, and your friend's financial situation is also not right. In this way you have-**

आप एक एस.डी.एम. है, आपके बचपन के मित्र रमेश की बहन की शादी है, आपको शादी में बुलाया गया है, जब आप वहाँ पहुँचते हो, आपको पता चलता है, कि लड़की की उम्र 18 वर्ष से कम और आपको यह पता शादी के एक दिन पहले ही पता चला, तथा उस समाज में यह मान्यता प्रथा है। उस समाज में शादी को मान–सम्मान से आँका जाता है, साथ ही आपके मित्र की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है।

ऐसे आपके पास–

(1) What values are struggling in the episode.
प्रकरण में कौन –कौन मूल्य संघर्षरत है।

प्रस्तुत प्रकरण मे मेरा परिचय एक प्रशासनिक
अधिकारी के रूप मे कराया जा रहा है।
दूसरी बात मामला बाल विवाह का है।
तीसरी बात लड़की मेरे मित्र की बहन है।
चौथी- यह प्रथा समाज का हिस्सा है।
पाँचवीं- मित्र की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है।

ऐसे मे मेरे समक्ष निम्न दुविधा
होगी।
(1) प्रशासनिक एवं ~~नैतिक~~ सामाजिक मूल्यों में टकराव

क्यो कि पहली बात तो यह है कि मैं प्रशासन
का अंग हूँ, ऐसा प्रशासन जो संवैधानिक
है एवं सभ्य समाज की स्थापना हेतु संकल्पित
है। ऐसे मे बालविवाह को मान्यता देना
प्रशासनिक मूल्यो को ताक मे रखना होगा।
यदि मैं ऐसा करता हूँ तो यह अनुचित होगा।

दूसरी बात यह है कि यदि मैं विरोध करता हूँ
तो यह संभावना है कि उस लड़की की
शादी टूट जाए। किन्तु समाज

(8)

(4)

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) ... पर आधारित है। प्रश्नों पर अंकों का वितरण क्रमशः प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65
Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्रश्न (3.1) Continued (जारी)

यह है कि [illegible] में ऐसा करता हूँ
तो पहली उलझन यह है कि मुझे उस
समाज को चुनौती दी होगी। क्यों कि यह
प्रथा उनके समाज का अंग है।
दूसरी उलझन यह है कि मेरे मित्र [illegible] संबंध
[illegible] से सकते हैं क्यों कि भावी
[illegible] की प्रबल संभावना है। र

एक बात यह भी है कि मित्र के पूर्व
के कम किए गए धन को भी नुकसान
हो जाएगा।

उस मेरे समक्ष यही दुविधा है कि
मुझे प्रशासनिक मूल्यों का चयन करना
है या सामाजिक मूल्यों का

(c) What would you do as an officer in such a situation?
ऐसी स्थिति में अधिकारी होने के नाते आप क्या करेंगे ?

एक अधिकारी होने के नाते मुझे शासन से प्राप्त स्वविवेकी शक्तियों का निश्चित ही प्रयोग करना होगा।

नैतिक मूल्यों में कितना ही टकराव क्यों न हो हमें उन विकल्प का चयन हमेशा चुनना चाहिए जो निजी की जगह सार्वजनिक हितों को साधे।

इसके अलावा पूर्व परिपाटी का पालन करते हुए मैं उस विवाह को स्थगित कर दूंगा साथ ही किसी अप्रिय घटना को जानते हुए प्रशासनिक अमले को सतर्कता के साथ पर्याप्त बल की व्यवस्था करवाऊँगा।

क्योंकि यह मामला गाँव का है, तो मेरा यह दायित्व है कि मैं वहाँ के उपस्थित लोगों से, लड़का एवं लड़की (वर-वधू) पक्ष से वार्ता करूँ और उन्हें समझाऊँ कि यह प्रथा अनैतिक है।

प्रश्न (3.2) Continued (जारी)

हो सकता है कि लगभग विरोध पर डालें किन्तु इसका प्रभाव अगर गाँव और समाज (सम्पूर्ण) लोगों पर व्यापक रूप में पालन होगा। तथा इसका लाभकारी परिणाम यह होगा कि बालिकाओं को शिक्षा के अवसर, विकास के अवसर उनको दिया जाएगा। अल्पायु में रोचित कर दिया जाएगा उनके स्वास्थ्य में गर्भावस्था धारण करने से नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

इन सभी कारणों पर चर्चा करते हुए उन्हें समझाना मेरा दायित्व होगा।

साथ ही एक चेतावनी भी देना आवश्यक है ताकि आगे उस तरह विरोध ऐसी घटनाएं न हो सके।

What is your duty as a friend?
एक मित्र होने के नाते आपका क्या कर्तव्य है ?

मित्र होने के नाते कर्तव्य

सामान्यतः दोस्तों को साथ मिलना देना मेरा कर्तव्य उपयुक्त होगा। किन्तु इससे मुझे नैतिक उत्तरदायित्व, सामाजिक उत्तरदायित्व से मुक्ति प्राप्त नहीं होगी।

मेरा मित्रता के प्रति कर्तव्य निम्न बिंदुओं में प्रस्तुत है—

(i) मित्र को रूढ़ि का साथ न देने का आग्रह।

(ii) संबंधित प्रकरण के दुष्परिणामों से उसको अवगत कराना।

(iii) भले ही बालिका को इससे आपत्ति न हो फिर भी रोक लगाने का कारण बताना।

(iv) दोनों परिवारों को बैठा कर नए समझौता होने तक दोनों समाज को कराना कि जैसे ही ... के बाद विवाह करें बिना रोक-टोक

नोट - प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित है। प्रश्नों पर अंकों का वितरण क्रमशः। प्रश्न क्रमांक (3)+(4)= अंक (30+35)=65
Note: Question No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively question no. (3)+(4)= Marks (30+35)=65

प्रश्न (3.3) Continued (जारी)

(ग) विवाह में जो खर्च हुआ उसकी प्रतिपूर्ति तो नहीं की जा सकती है किन्तु प्रयास यह करना कि अगली बार विवाह न्यूनतम खर्च में हो सके।

(घ) मित्र को अन्य के कानूनों के प्रति भी जागरूक/जानकार बनाने का भी प्रयास मेरा है।

(ङ) यदि वर पक्ष से कोई धन का लेन देन किया गया है तो उसकी जानकारी पुलिस को दी जाती कि संपत्ति लौटाने का आदेश जारी करे। ताकि प्रतिपूर्ति की व्यवस्था की जा सके।

6

(4) In the present scenario, if government schools are left out, almost education has been commercialized. Today education is only a means of getting employment. The basic value of education is the development of personality, but the sad aspect is that the development of personality itself has been commercialized. Social and national values are not included in the personality development of the child.

वर्तमान परिपेक्ष्य में यदि सरकारी विद्यालयों को छोड़ दिया जाये जहाँ लगभग शिक्षा का व्यवसायीकरण हो चुका है। जो शिक्षा का रोजगार पाने का एक साधन मात्र है। शिक्षा का बुनियादी मूल्य व्यक्तित्व का विकास है लेकिन दुखद पहलू यह है कि व्यक्तित्व के विकास का ही व्यवसायीकरण हो गया है। बच्चे के व्यक्तित्व विकास में सामाजिक एवं राष्ट्रीय मूल्यों का समावेश नहीं किया जाता है।

प्रश्न (4.1) What is the reason for commercialization of education ?
शिक्षा के व्यवसायीकरण के क्या कारण हैं ?

उत्तर- शिक्षा के व्यवसायीकरण से तात्पर्य है शिक्षा संस्थानों को लाभ के सिद्धांत पर कार्य करना। शिक्षा को धनार्जन का माध्यम बनाना। इसके कारण निम्नलिखित हैं-

(i) वैश्वीकरण -> वैश्वीकरण के परिणाम स्वरूप शिक्षा व्यवस्था निर्मित. इसने सुनिश्चित तौर पर मौलिकता की जगह व्यवसाय पर जिसमें बल दिया गया।

(ii) पुरातन शिक्षा की उपेक्षा

गुरुकुल जैसी व्यवस्था की उपेक्षा करना, पश्चिम अंधानुकरण भी एक कारण है। रवीन्द्रनाथ टैगोर गुरुकुल प्रणाली को ही सर्वोत्तम मानते थे।

(iii) नैतिक मूल्यों का पतन

शिक्षकों में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी की कमी भी इसका कारण है।

(iv) सरकार का प्रतिबंध न होना, शिक्षण संस्थाओं को अंधी प्रतिस्पर्धा का मौका देता है।

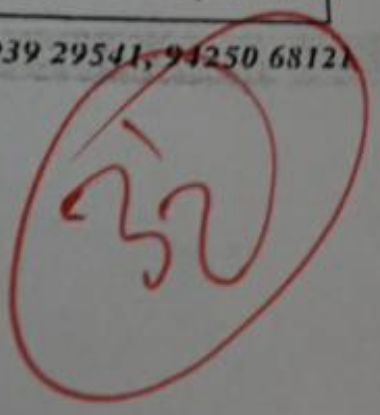

Q. What are the benefits of value added education?
मूल्य परक शिक्षा के क्या-क्या लाभ है?

मूल्यपरक शिक्षा

(1) व्यक्तित्व का विकास करती है और समाज एवं राष्ट्र हेतु उपयोगी बना देती है।

(2) इस शिक्षा मे असहिष्णुता नहीं होती, इस कारण परस्पर बंधुत्व की संभावना शासन मे ज्यादा होती है।

(3) मूल्य आधारित शिक्षा लोगों को नैतिक एवं ईमानदार बनाती है। भ्रष्टाचार को रोकने मे उपयोगी।

(4) यह शिक्षा विभेदों को नकारती है, जाति लिंग, धर्म, भाषा के अंतरों को पाट कर सक्षम समाज एवं सशक्त राष्ट्र का निर्माण करती है।

(5) इस शिक्षा मे महिला, बुजुर्ग, दिव्यांगों के प्रति समानुभूति एवं आदर के संस्कृति की सजगता होती है।

3½

Phone No. 0731-4226615, 4266831 Mob. 95919 19591, 94250 44121
www.kautilyaacademy.com

प्रश्न (4.3) Education should not be a medium of employment, in this context, submit your views.
शिक्षा सिर्फ रोजगार का माध्यम न बनकर रह जाये, इस संदर्भ में अपना विचार प्रस्तुत करें।

उत्तर : शिक्षा का मूल है व्यक्ति का चहुँमुखी विकास जो नैतिक, आध्यात्मिक, भौतिक, सामाजिक विकास को प्रेरित करे।

रोजगार परक शिक्षा उचित है किन्तु रोजगार ही अंतिम ध्येय हो यह उचित नहीं है। शिक्षा से रोजगार का होना हमें सिर्फ आर्थिक रूप से सम्पन्न बना सकता है किन्तु हमें सत्ता की भी प्राप्ति हो ऐसा जरूरी नहीं है।

गांधी जी के सात पापों में एक पाप में यह भी वर्णित है कि चरित्र बिना शिक्षा उचित नहीं है।

यह सत्य है यदि शिक्षा में नैतिकता, भावना, सदाचारों का आभाव है तो संभव है कि रोजगार प्राप्त हो जाए किन्तु उस राष्ट्र का जो सामाजिक एवं सांस्कृतिक पतन होगा उसे टाला नहीं जा सकेगा।

इसीलिए गांधीजी ने बुनियादी शिक्षा की अवधारणा में शिक्षा में नैतिकता के समावेश पर बल दिया

3½

(a) Mention the major components related to personality development.

व्यक्तित्व विकास से संबंधी प्रमुख घटकों को उल्लेखित करें।

व्यक्तित्व विकास के घटक — नैतिकता, अभिव्यक्ति, संज्ञान, विचार, आचरण

(i) नैतिकता – कार्यों एवं आचरणों का नियमन

(ii) अभिव्यक्ति – स्वयं को अभिव्यक्त कर पाना।

(iii) संज्ञान – स्वयं एवं दूसरों को समझना

(iv) विचार / मनोवृत्ति – व्यक्ति / वस्तु / समाज के प्रति उसका दृष्टिकोण क्या है।

(v) आचरण – जो वह बोलता है वही करे।

कथनी करनी में अंतर न हो
आदर्श आचरण

6

प्रश्न (4.8) What measures can be taken for the personal development of children ?
बच्चों के व्यक्तिगत विकास के लिये क्या किया जा सकता है ?

उत्तर :

बच्चों के व्यक्तिगत विकास के उपाय

- नैतिक शिक्षा
- अभिरुचियों की पहचान
- नवाचार / वैज्ञानिकता से युक्त शिक्षा
- लीडरशिप दायित्व सौंपे
- प्रोत्साहन

(i) नैतिकता की शिक्षा एवं संस्कार प्रदान करना।

(ii) उनमें निहित अभिरुचियों की पहचान करना तथा उन्हें आकार देने हेतु प्रोत्साहित करना।

(iii) नवाचार एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से युक्त शिक्षा प्रदान करना।

(iv) उनमें सकारात्मक मनोवृत्ति का निर्माण करना

(v) लीडरशिप का विकास हेतु उन्हें दायित्व सौंपें।

(vi) अच्छे कार्यों हेतु पारितोषिक स्तर पर पुरस्कृत करें।

4